DIEG of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 188] **नई दिल्ली, गुक्रवार, म**ई 16, 1986/वैसाच 26, 1908 No. 188] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 16, 1986/VAISAKHA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिस्चना

नई दिल्ली, 1/6 मई, 1986

का. था. 265(अ). —केन्द्रीय सरकार, विधि-विरुद्ध कियाकलाए (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते दुए अपनी यह राय होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है, ''विधि-विरुद्ध कियाकलाए (निवारण) अधिकरण'' गठित करती है जिसमें आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायाक्य के न्यायाधीश, न्याधमिति श्री सी. श्रीरामल होगे।

[सं. 1/17034/21/86-आई.एस.(डी-7)] सी. टी. बैंजामिन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 16th May, 1986

\$.0. 265 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the 'Unlawful Activities (Prevention) Tribunal' consisting of Shri Justice C. Sriramulu, Judge of the Andhra Pradesh High Court.

[No. 1|17034|21|86.IS (D. VII)] C. T. BENJAMIN, Jt. Secy.